अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

संजया–25

प्र. 1 कोई पांच द्वार लिखें– 10

(क) सूक्ष्मसंपराय चारित्र–प्रज्ञापना द्वार

(ख) यथाख्यात चारित्र–काल द्वार

(ग) परिहारविशुद्धि चारित्र–ज्ञान द्वार

(घ) सामायिक चारित्र–परिणाम द्वार

(ङ) छेदोपस्थापनीय चारित्र–सन्निकर्ष द्वार

(च) परिहारविशुद्धि चारित्र–गति-स्थिति-पदवी

(छ) यथाख्यात चारित्र–प्रवज्या द्वार।

प्र. 2 कोई छह प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 6

(क) अतीर्थी से क्या तात्पर्य है?

(ख) कषाय कुशील निर्ग्रंथ कौन-कौन से गुणस्थान में होते हैं?

(ग) षट्स्थान–पतित से क्या तात्पर्य है?

(घ) यथाख्यात चारित्र में जीव अनाहारक कौन से समय रहता है?

(ङ) 18 करोड़ाकरोड़ सागर से क्या तात्पर्य है?

(च) प्रथम चार चारित्र का क्षेत्र कितना और क्यों?

(छ) अल्पबहुत द्वार में 1,2,3,4,5 के अंक किसके सूचक हैं?

प्र. 3 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर दें– 9

(क) परिहार विशुद्धि चारित्र वाले कौन-कौन से कल्पी किस अपेक्षा से होते हैं?

(ख) अल्पबहुत्व को लिखें।

(ग) उदीरणा किसे कहते हैं और किस गुणस्थान में कितने कर्मों की उदीरणा होती है?

(घ) छेदोपस्थापनीय चारित्र के स्थिति द्वार को अपेक्षा भेद से स्पष्ट करें।

नियंठा–25

प्र. 4 कोई छह द्वार लिखें– 18

(क) स्नातक के प्रकारों का वर्णन करें।

(ख) पुलाक–लिंग व शरीर द्वार।

(ग) कषायकुशील–गति-थिति-पदवी

(घ) निर्ग्रंथ–अपेक्षा भेद से क्षेत्र द्वार

(ङ) बकुश–सन्निकर्ष द्वार

(च) प्रतिसेवना–उपसंपद्हान द्वार

(छ) बकुश–आकर्ष द्वार

(ज) कषाय कुशील–प्रवज्या द्वार।

प्र. 5 कोई सात प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 7

(क) अल्पबहुत्व में किस निर्ग्रंथ के पर्यव सबसे कम हैं और किसके सबसे अधिक हैं?

(ख) पुलाक का अध्ययन लिखें।

(ग) स्नातक में कल्प कितने व क्यों लिए गये हैं?

(घ) निर्ग्रंथ वर्धमान व अवस्थित किस अपेक्षा से है?

(ङ) निर्ग्रंथ का 'अनेक भव' अपेक्षा भेद से लिखें।

(च) पुलाक में कितने व कौन से समुद्घात पाते हैं?

(छ) प्रतिसेवना का एक जीव की अपेक्षा से अन्तर लिखें।

(ज) बकुश के लेश्या द्वार को अपेक्षा भेद से लिखें।

गीतिका (नियंठा दिग्दर्शन)–10

प्र. 6 कोई दो प्रश्नों का संक्षेप में उत्तर दें– 2

(क) छठे गुणस्थान में योग कितने बतलाये गये हैं?

(ख) छह नियंठा के लिए किसका दृष्टांत दिया गया है?

(ग) ज्ञाता सूत्र में भगवान ने अपने साधु-साध्वियों के लिए क्या कहा है?

प्र. 7 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 8

(क) शिव-वट.....नहि होय।।

(ख) कषाय-कुशील.....छ होय।।

(ग) नवी दीख्या.....ठाणो सोय।।

(घ) सम्यक्त थिर.....बातां सोय।।

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–40

प्र. 8 सभी प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) काययोग के भेद ***अथवा*** सातवां बोल 2

(ख) चतुर्भंगी–किस विषय के जीव कम और क्यों? 3

अथवा

भांगा किसी कर्म का उदय नहीं है तो ये किससे संबंध रखते हैं?

(ग) पच्चीस बोल की चर्चा–पहले से लेकर छह योग तक लिखें। 4

अथवा

बारह से लेकर सतरह दंडक तक लिखें।

(घ) तत्त्वचर्चा–नौ तत्त्व पर चोर-साहूकार। 3

अथवा

विविध चर्चा में भोग पर प्रश्नोत्तर।

(ङ) कर्म प्रकृति–नोकषाय किसे कहते हैं? उसकी प्रकृतियों का वर्णन करें। 4

अथवा

प्रत्येक प्रकृति के प्रकार लिखें।

(च) जैन तत्त्व प्रवेश–(प्रथम खंड) बन्ध की परिभाषा व प्रश्नोत्तर लिखें। 4

अथवा

द्रव्य-गुण-पर्याय द्वार में सामान्य तथा विशेष गुण लिखें।

(छ) जैन तत्त्व प्रवेश–(द्वितीय व तृतीय खंड)–दया का अर्थ बताते हुए पहले दो पद्य लिखें। 4

अथवा

आगम द्वार में उपाङ्ग के भेद से लेकर अन्त तक लिखें।

(ज) इक्कीस द्वार–अवधिदर्शनी ***अथवा*** अपरीत पूरा बोल लिखें। 4

(झ) बावन बोल–दया, हिंसा कितने भाव? कितनी आत्मा? 4

अथवा

जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ञ) लघु दण्डक–तिर्यंच की अवगाहना ***अथवा*** वेद द्वार 4

(ट) पांच ज्ञान–अवधिज्ञान और मनःपर्यवज्ञान का क्षेत्र, स्वामी और विषय कृत भेद (अन्तर) को लिखें 4

अथवा

अनन्तर सिद्ध केवलज्ञान के प्रकारों को लिखें।